नवभारत
www.navbharatlive.com

300 बिस्तरों वाले केंद्र का होगा निर्माण

अब लीलावती अस्पताल में होगा कैंसर का इलाज

■ मुंबई, (सं). लीलावती हॉस्पिटल में 300 बिस्तरों वाले नए कैंसर केयर इंस्टीट्यूट की स्थापना की घोषणा की गई है. यह अत्याधुनिक सुविधा भारत में कैंसर उपचार के क्षेत्र में क्रांति लाएगी, जिसमें नई तकनीक, उन्नत उपचार और ऑन्कोलॉजी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवाएं रहेंगी. लीलावती अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, मेयो क्लिनिक के इंटरनेशनल और एंटरप्राइज ऑटोमेशन के मुख्य परिचालन अधिकारी बिजू सामकुट्टी, लीलावती हॉस्पिटल की संस्थापक एवं ट्रस्टी चारू मेहता, राजेश मेहता, प्रशांत मेहता व राजीव मेहता जैसी कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहे.

मरीजों को नहीं जाना पड़ेगा विदेश : नया कैंसर केयर इंस्टीट्यूट मरीजों की विशेष आवश्यकताओं के आधार पर उपचार प्रदान करेगा, जिससे प्रत्येक मरीज को व्यक्तिगत और प्रभावी देखभाल सुनिश्चित हो सकेगी. उच्च गुणवत्ता वाली यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होगी, जिससे मरीजों को इलाज के लिए विदेश जाने की आवश्यकता नहीं होगी. कैंसर केयर इंस्टीट्यूट में एआई आधारित डायग्नोस्टिक टूल्स पेश किए जाएंगे, जो कैंसर की शुरुआती और सटीक पहचान में मदद करेंगे.

मेयो क्लिनिक के साथ करार

इससे मरीजों के इलाज के नतीजे बेहतर होंगे और उनकी जीवन में सुधार होगा. इसके साथ ही लीलावती हॉस्पिटल कैंसर के जोखिम, लक्षण और रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान शुरू करेगा, जिससे स्वास्थ्य और कल्याण की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा. उपमुख्यमंत्री शिंदे की मौजूदगी में लीलावती अस्पताल ने मेयो क्लिनिक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया. समझौते के तहत 300 बिस्तरों वाले आधुनिक केंद्र का निर्माण किया जाएगा.